आर्थिक सुधार कार्यक्रम का धीमी गति से चलना

1132. **श्री इकबाल सिंह:** क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि देश में लागू आर्थिक सुधार कार्यक्रम पिछले छः महीनों से काफी धीमी गति से चल रहे हैं;

(ख) यदि हां, तो इसके प्रमुख कारण क्या हैं; और

(ग) देश में आर्थिक सुधार कार्यक्रम को अधिक कारगर ढंग से लागू करने हेतु सरकार द्वारा अब तक कौन-कौन से कारगर कदम उठाये गये हैं?

वित्त मंत्री (श्री पी० चिदम्बरम): (क) से (ग) जी, नहीं। सरकार द्वारा घोषित सामान्य न्यूनतम कार्यक्रम (सी०एम०पी०) आर्थिक सुधारों की प्रक्रिया को बढ़ाने के लिए सरकार की वचनबद्धता का स्पष्ट संकेत देता है। आधार वाक्य के रूप में कहने पर तीव्रतर आर्थिक विकास की कुंजी तीव्र और श्रमिक-गहन औद्योगिकीकरण है, सी०एम०पी० के मुख्य मूल-विषयों में निम्नलिखित शामिल हैं:

* सामाजिक न्याय के साथ विकास की दृढ़ प्रतिबद्धता
* उद्योग की 12 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि और प्रतिवर्ष 7 प्रतिशत की समग्र वृद्धि दर का लक्ष्य बनाए रखना;
* स०घ०उ० के 4 प्रतिशत के नीचे राजकोषीय घाटा कम करने के लक्ष्य के साथ राजकोषीय विवेक के प्रति वचनबद्धता;
* निम्न प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में बहुराष्ट्रीय कंपनियों के प्रवेश को निरूत्साहित करते हुए प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के प्रति वर्ष 10 बिलियन डालर का लक्ष्य;
* पिछड़े क्षेत्रों में स्वयं को स्थापित करने के लिए नए उद्योगों को प्रोत्साहित करने के लिए उपर्युक्त प्रोत्साहन और नीतियां;
* भारत के टैरिफ को विश्व स्तर के अनुरूप लाना;
* सरकारी क्षेत्र के उद्यमों को सुधारने, मजबूत करने और पुनःसंरचित करने के लिए वचनबद्धता;
* निवेश के सरकारी और निजी, देशी और विदेशी सभी प्रतिमानों के माध्यम से आधारभूत क्षेत्रों को विकसित करने की वचनबद्धता;
* निर्धनता-रोधी कार्यक्रमों को सुदृढ़ करने की वचनबद्धता;
* सामाजिक क्षेत्रों में निवेश बढ़ाने की वचनबद्धता;
* कृषि-क्षेत्र में सुधार लाने की वचनबद्धता;

वर्ष 1996-97 के केन्द्रीय बजट ने आर्थिक सुधारों की प्रक्रिया को तेज करने के लिए और समानता तथा सामाजिक न्याय बनाए रखने सहित औद्योगिक और समग्र विकास में सुधार लाने के लिए कई उपायों और नीतियों की भी घोषणा की है।

Foreign Exchange Racket

1133. SHRI SUSHILKUMAR SAMBHAJIRAO SHINDE: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether a foreign-exchange racket involving transactions worth several crores of rupees was busted in the capital (Delhi) by the Enforcement Directorate on September 20, 1996; and

(b) if so, the details thereof including the modusoperandi of the racket?

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI P. CHIDAMBARAM): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

News item Regarding Freeing Insurance Funds for Core Sector

1134. SHRI SATISH AGARWAL: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the news item under the heading "Insurance Funds may be freed for core sector" appeared in the Pioneer of 31st October, 1996;

(b) how far this will affect the social sector; and

(c) what alternate arrangements are